हिंदुस्तान जिंक बढ़ाएगी रिफांइड मेटल क्षमता, करेगी बड़ा निवेश

सुधीर पाल सिंह
नई दिल्ली, 26 जुलाई

वेदांत की सहायक कंपनी हिंदुस्तान जिंक अपनी परिष्कृत धातु क्षमता विस्तार का अगला चरण शुरू करेगी। कंपनी इस पर लगभग 25,000 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बना रही है। योजना के तहत जिंक और सीसा गलाने की 600 हजार टन प्रति वर्ष (केटीपीए) की अतिरिक्त क्षमता स्थापित की जाएगी।

कंपनी के मुख्य कार्य अधिकारी अरुण मिश्र ने बताया कि कंपनी का प्रबंधन चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में इस प्रस्तावित निवेश के लिए निदेशक मंडल से मंजूरी मांगेगा। मिश्र ने कंपनी परिणाम के बाद बातचीत में कहा, 'निदेशक मंडल की मंजूरी के बाद विस्तार परियोजना में लगभग 36 महीने लगेंगे।'

हिंदुस्तान जिंक पहले से ही अपनी मौजूदा 1,144 केटीपीए परिष्कृत धातु क्षमता को 250 केटीपीए तक बढ़ाने के लिए 12,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। इस परियोजना में राजस्थान के देबारी के एकीकृत जिंक स्मेल्टर की क्षमता बढ़ाना शामिल है।

मिश्रा ने बताया कि व्यापक इंजीनियरिंग और आपूर्ति ऑर्डर का काम प्रगति पर है। खदान विकास का काम शुरू हो चुका है। परियोजना में खनन की गई धातु क्षमता को मौजूदा 1,180 केटीपीए से बढ़ाकर 1,510 केटीपीए करना भी शामिल है। परियोजना के वित्त वर्ष 29 की दूसरी तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है।

कुल मिलाकर वित्त वर्ष 30 तक परिष्कृत धातु क्षमता को 1.7 गुना बढ़ाकर लगभग 2,000 केटीपीए करने का लक्ष्य है। कंपनी वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े एकीकृत जिंक उत्पादकों में शामिल है। वह वित्त वर्ष 28 की चौथी तिमाही तक सालाना 1 करोड़ टन क्षमता वाले जिंक टेलिंग्स रीप्रोसेसिंग संयंत्र की स्थापना पर भी 3,823 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है।

क्षमता विस्तार की बना रही योजना

- योजना के तहत जिंक और सीसा गलाने की 600 हजार टन प्रति वर्ष की अतिरिक्त क्षमता स्थापित की जाएगी
- कुल मिलाकर वित्त वर्ष 30 तक परिष्कृत धातु क्षमता को 1.7 गुना बढ़ाकर लगभग 2,000 केटीपीए करने का है लक्ष्य